Dated D.El.Ed 2nd Sem 2019-21 Time
01/06/2020 वर्तमान भारतीय समाज 12:15-1:00
और प्रारम्भिक शिक्षा

शिक्षा की संकल्पना —

शिक्षा क्या है? शिक्षा का क्या अर्थ है? शिक्षा का स्वरूप क्या है? शिक्षा की परिभाषा क्या है? इन प्रश्नों पर प्राचीनकाल से ही विचार किया जाता रहा है। शिक्षक, शिक्षार्थी, शिक्षाशास्त्री, समाजसेवी राजनीतिज्ञ और समाज के विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के व्यक्तियों ने समय-समय पर शिक्षा को परिभाषित करने का प्रयत्न किया है। किसी ने शिक्षा के व्यक्तिगत प्रयास को ईश्वर के प्रति एक अहर्निशी अनुकूलन माना है और कोई उसे पर्यावरण के अनुकूलन के रूप में देखता है, तो कोई शिक्षा को अभिवृद्धि की प्रक्रिया मानता है। सभी ने अपने अपने दृष्टिकोण से शिक्षा के अर्थ के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए हैं और उसको परिभाषित करने का प्रयास किया है।

शिक्षा की प्राचीन संकल्पना —

प्राचीनकाल में शिक्षा के लिये कई शब्दों का प्रयोग हुआ, यथा, विद्या, ज्ञान, प्रबोध, विनय आदि। उस काल में शिक्षा का अर्थ था। व्यक्ति की बुद्धि को विकसित करना उसे परिष्कृत करना, उसे तीक्ष्ण बनाना, उन्नति की ओर ले जाना, उसे सौभाग्ययुक्त बनाना और उसके जीवन को तपस्वी बनाना। उस समय शिक्षा के द्वारा विद्या और बुद्धि में ज्ञान और कर्म में तथा अध्यात्म

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner